Seventeenth Loksabha

>

Title: Request to include Banjara caste in the special reservation category and include the Banjara language in the Eight Schedule of the constitution.

श्री बालूभाऊ उर्फ सुरेश नारायण धानोरकर (चन्द्रपुर): महोदय, आपने मुझे अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं । हमारे देश में बंजारा समाज शिक्षात्मक एवं आर्थिक स्थिति में काफी पिछड़ा हुआ है । विभिन्न राज्यों में यह समाज एससी, एसटी, ओबीसी, वीजेएनटी प्रवर्गों में विभाजित है । इस कारण बंजारा समाज का आर्थिक, शिक्षात्मक, सामाजिक तथा राजकीय विकास रुका हुआ है ।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि अन्य समाज के आरक्षित वर्गों को न छेड़ते हुए, बंजारा समाज के विकास हेतु इन्हें विशेष आरक्षित वर्ग में सम्मिलित किया जाए । बंजारा भाषा सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक है । इसलिए इस भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा मिलने हेतु संविधान की आठवीं सूची में सम्मिलित करें ।

महोदय, यह संसद भवन जहां खड़ा है, यह भूमि जयपुर के राजा की थी । इस भूमि पर बंजारा समाज के व्यापारी लकीशा बंजारा का काफी सालों से कब्जा था । यहां तांडा बस्ती थी । बंजारा समाज की धार्मिक भावनाएं इस भूमि से जुड़ी हुई हैं । यह भूमि व्यापारी लकीशा बंजारा ने ब्रिटिश सरकार को दान की थी, लेकिन यहां कहीं पर भी उनका नामोनिशान नहीं है । संसद परिसर में दानवीर व्यापारी लकीशा बंजारा की प्रतिमा और संसद मार्ग को इनका नाम देकर न्याय देने की मैं मांग करता हूं ।